ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी दिवस पर 'राजभाषा के रूप में हिंदी के 75 वर्ष' विषय पर हुआ विशेष व्याख्यान

हिंदी के अनन्य सेवक थे गांधी- बनवारीलाल पुरोहित

वर्धा, 14 सितंबर 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में शनिवार, 14 सितंबर को गालिब सभागार में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'राजभाषा के रूप में हिंदी के 75 वर्ष' विषय पर विशेष व्याख्यान से हिंदी पखवाडे का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व राज्यपाल श्री बनवारीलाल पुरोहित ने कहा कि गांधी हिंदी के अनन्य सेवक थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी हिंदी के बड़े हिमायती थे।30 जनवरी 1948 को गांधी जी के जाने के बाद हिंदी को बहुत बड़ा धक्का

लगा। हिंदी के सवाल पर राजगोपालाचारी से भी गांधी जी का मतभेद हुआ। श्री पुरोहित ने कहा कि गांधी की कर्म भूमि में आकर वे गर्व का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी ज्ञान की खान है। श्री पुरोहित आज महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 'राजभाषा के रूप में हिंदी के 75 वर्ष' विषय पर विशेष व्याख्यान दे रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की।

पुरोहित ने कहा कि हिंदी को तन-मन से स्वीकार करने से जीवन गांधीमय हो जाएगा। गांधी और हिंदी में सादगी का समान भाव है। उन्होंने भारतेंदू प्रेमचंद, तुलसीदास, कबीर, मैथिली चरण गुप्त और हरिवंश राय बच्चन के हिंदी के योगदान को स्मरण करते हुए उनकी

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

कविताओं को उद्धृत किया। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी की ताकत और पहचान बड़ी है। अहिंदी भाषियों ने हिंदी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यही कारण है कि भारतीय भाषाओं के साथ आगे बढ़ रही है।

इस अवसर पर मीडिया समय का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। जिसका कला निर्देशन राजेश आगरकर द्वारा किया गया।

स्वागत भाषण एवं विषय प्रवर्तन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे ने किया। श्री पुरोहित का परिचय राजभाषा अधिकारी राजेश कुमार यादव ने दिया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सिंह ने श्री पुरोहित का शॉल, सूतमाला एवं विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार मिश्र ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एवं दूर शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनंद पाटील ने किया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, केंद्र निदेशक, संकाय सदस्य, विद्यार्थी, शोधार्थी, अधिकारी एवं कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित थे। कोलकाता एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र एवं सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिध्दपुर (अमरावती) केंद्रों के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी भी ऑनलाइन जुडे।

हिंदी दिनानिमित्त 'राजभाषेच्या रूपात हिंदीचे 75 वर्षे' विषयावर विशेष व्याख्यान संपन्न

गांधी हे हिंदीचे समर्पित सेवक होते - बनवारीलाल पुरोहित

वर्धा, 14 सप्टेंबर 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात शनिवारी, 14 सप्टेंबर रोजी गालिब सभागृहात हिंदी दिवस सोहळ्याचे आयोजन करण्यात आले. यानिमित्त हिंदी पंधरवड्याची सुरुवात 'राजभाषेच्या रूपात हिंदीचे 75 वर्षे' या विषयावर विशेष व्याख्यानाने करण्यात आली.

कार्यक्रमाला प्रमुख पाहुणे म्हणून संबोधित करताना माजी राज्यपाल श्री बनवारीलाल पुरोहित म्हणाले कीगांधी हे हिंदीचे समर्पित सेवक होते. ते म्हणाले की महात्मा गांधी हे हिंदीचे मोठे समर्थक होते. 30 जानेवारी 1948 रोजी गांधीजी गेल्यानंतर हिंदीला मोठा फटका बसला. हिंदीच्या प्रश्नावरही गांधीजींचे राजगोपालाचारी यांच्याशी मतभेद होते. गांधींच्या कार्याच्या भूमीवर आल्याचाअभिमान वाटत असल्याचे श्री पुरोहित म्हणाले. ते पुढे म्हणाले की हिंदी ही ज्ञानाची खाण आहे. श्री पुरोहित हे आज वर्धा येथील महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात हिंदी दिनानिमित्त 'राजभाषेच्या रूपात हिंदीचे 75 वर्षे' या विषयावर विशेष व्याख्यान देत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रो. कृष्णकुमार सिंहयांनी केले.

पुरोहित म्हणाले की हिंदीचा मनापासून स्वीकार केल्यास जीवन गांधीसारखे होईल. गांधी आणि हिंदीत साधेपणाचा सारखाच भाव आहे. त्यांनी भारतेंदू प्रेमचंद, तुलसीदास, कबीर, मैथिली चरण गुप्ता आणि हरिवंशराय बच्चन यांच्या हिंदीतील योगदानाचे स्मरण केले आणि त्यांच्या कविता उद्धृत केल्या. अध्यक्षीय उद्धबोधनात कुलगुरू प्रो. कृष्णकुमार सिंह म्हणाले की हिंदीची ताकद आणि ओळख मोठी आहे. अहिंदी भाषिकांनी हिंदीच्या प्रचारात महत्त्वाचे योगदान दिले आहे. भारतीय भाषामुळे हिंदीपुढे जात आहेत.

यावेळी अतिथिंच्या हस्ते मीडिया समयचे लोकार्पण करण्यात आले. ज्यांचे कलादिग्दर्शन राजेश आगरकर यांनीकेले.

स्वागत भाषण व विषय प्रास्ताविक जनसंचार विभागाचे अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे यांनी केले. हिंदी अधिकारी राजेश कुमार यादव यांनी श्री पुरोहित यांचा परिचयव केंद्रीय शिक्षण मंत्री धर्मेंद्र प्रधान यांचा संदेश वाचून दाखविला यावेळी कुलगुरू प्रो. सिंह यांनी श्री पुरोहित यांचे शाल, सुतमाळ, विश्वविद्यालयाचे मानचिन्ह व चरखा देऊन स्वागत केले. कार्यक्रमाचे संचालन गांधी आणि शांतिअध्ययन विभागाचे अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार मिश्रा यांनी केले. आभार प्रदर्शन: कुलसचिव व दूर शिक्षण निदेशक प्रो. आनंद पाटील यांनी केले. कार्यक्रमाची सुरुवात दीपप्रज्वलन आणि कुलगीतांनी झालीतर राष्ट्रगीताने सांगता झाली.

या कार्यक्रमास विविध विद्यापीठांचे अधिष्ठाता, विभागप्रमुख, केंद्र निदेशक, प्राध्यापक, विद्यार्थी, शोधार्थी, अधिकारी व कर्मचारी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते. कोलकाता आणि प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र आणि सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा आणि तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपूर (अमरावती) येथील शिक्षक, कर्मचारी आणि विद्यार्थी देखील कार्यक्रमात ऑनलाइन सामील झाले.